नवीन चेची ने वीडियो जारी कर लगाए आरोप, सीएम के ओएसडी का नाम लिया, फिर वीडियो किया डिलीट

नहरपार ओजोन पार्क सोसायटी में आरडब्ल्यूए के नए पदाधिकारियों को पटाने की कोशिश जारी

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबादः ग्रेटर फरीदाबाद में ओजोन पार्क सोसायटी में सिक्युरिटी एजेंसी चलाने वाले कथित भाजपा नेता नवीन चेची का आरोप है कि उसने रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों को रिश्वत देकर अपनी सिक्युरिटी एजेंसी लगाई थी। उसने मुख्यमंत्री के ओएसडी का नाम भी घसीटा और उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। एजेंसी चलाने वाले के आरोप से भाजपा की बदनामी ग्रेटर फरीदाबाद की सभी सोसायटियों में हो रही है। मजदूर मोर्चा के पिछले अंक में ओजोन पार्क को लेकर एक विस्तृत रिपोर्ट छापी गई थी। उस खबर में पूर्व रजिस्ट्रार सोसायटीज फरीदाबाद अनिल कुमार चौधरी के गुर्गे नवीन चेची का जिक्र आया था। खबर छपने के बाद बौखलाहट में नवीन चेची ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें आरडब्ल्यूए के पूर्व पदाधिकारियों पर सनसनीखेज आरोप लगाए गए। हालांकि, कुछ देर बाद उस वीडियो को नवीन चेची ने डिलीट कर दिया। लेकिन मजदूर मोर्चा के पास वह वीडियो सुरक्षित है और अब वह एक सबूत भी बन चुका है।

नवीन चेची का विस्फोटक वीडियो

कथित भाजपा नेता नवीन चेची को अपने वीडियो में कहते सुना जा सकता है कि 2018 में उसकी एनॉन सिक्युरिटी एजेंसी को लगाते समय आरडब्ल्यूए के उस समय के पदाधिकरी राजेश गर्ग, आर.के. गुप्ता और आर.एस. चौहान से एक डील की और गुप्ता व चौहान को 30 हजार रुपये महीना रिश्वत देने की बात तय हुई। चेची वीडियो में कह रहा है - मैं मानता हूं कि कुछ चीजें गलत होती हैं।...लेकिन बिजनेस चलाने के लिए यह सब करना ही पड़ता है। उसने कहा कि एक साल तक यह कॉन्ट्रैक्ट अच्छा चला। एक साल बाद जब कॉन्ट्रैक्ट फिर से करने की बात आई तो आर.के. गुप्ता और आर.एस. चौहान ने मुझसे कहा कि आपका दस फीसदी पैसा बढ़ा देते हैं, लेकिन अब आपको हम लोगों को 50 हजार रुपये महीना देना होगा। लेकिन मैंने मना कर दिया तो उन्होंने मेरी एजेंसी को हटाने का नोटिस दे दिया।

इसी वीडियो में उसने रजिस्ट्रार सोसायटीज फरीदाबाद ईश्वर सिंह यादव को डेढ़ लाख रिश्वत देने की बात कही है। ये आरोप भी नवीन चेची ने पहली बार लगाए हैं। उसे लग रहा है कि मौजूदा रजिस्ट्रार आरडब्ल्यूए से मिल गया है तो उसने यह आरोप पूर्व रजिस्ट्रार अनिल कुमार चौधरी के इशारे पर लगा दिया। हालांकि, उसने पूर्व रजिस्ट्रार अनिल चौधरी का गुर्गा मजदूर मोर्चा में लिखे जाने पर सख्त ऐतराज वीडियो में जताया है।

कथित भाजपा नेता नवीन चेची ने अपनी ही पार्टी को बदनाम करने में कोई कमी नहीं छोड़ी। उसने वीडियो में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के ओएसडी अभिमन्यु का नाम लेकर भी आरोप लगाए। उसके मुताबिक ओएसडी ने उस पर दबाव डाला है कि वह अपनी एजेंसी इस सोसायटी से हटा ले। चेची का कहना है कि जो लोग अपनी एजेंसी यहां लगाना चाहते हैं, वो ये सारा खेल कर रहे हैं। चेची कहता है कि उसे अपनी जान का खतरा है और उसके दफ्तर के बाहर एक गाड़ी से कुछ लोग उसे लगातार घूरते रहते हैं।

बहरहाल, नवीन चेची के आरोप बेशक फर्जी हों लेकिन इतना तो साफ है कि कई अन्य सोसायटी में जो उसकी सिक्युरिटी एजेंसी लगी हुई है, वहां कॉन्ट्रैक्ट पाने के लिए नवीन चेची ने भाजपा के रसूखदार नेता और रिश्वत का सहारा जरूर लिया है।

वीडियो को लेकर कुछ सवाल

नवीन चेची का वीडियो सामने आने के बाद यह सवाल उठ रहा है कि आखिर इतने गंभीर आरोप लगाने के बाद उसने अपना

नवीन चेची का यह फोटो उसके वीडियो से लिया गया है

वीडियो डिलीट क्यों कर दिया। क्या उसने ओजोन पार्क सोसायटी के चुनाव में महज दबाव बनाने के लिए यह वीडियो जारी किया था। बता दें कि सोसायटी का चुनाव रविवार को था और उसी दिन उसने सुबह-सुबह वीडियो जारी किया था।

एक सवाल यह भी है कि चेची ने कथित तौर पर लंबे समय तक रिश्वत दे चुकने के बाद क्यों आरोप लगाए। उसके मुताबिक जब 2018 में उसने आरडब्ल्यूए से डील की थी तो उसी समय पुलिस, विजिलेंस या किसी भी सरकारी एजेंसी को क्यों नहीं सूचना दी कि उससे रिश्वत मांगी जा रही है। स्पष्ट है कि उसने सोसायटी के पूर्व और वर्तमान पदाधिकारियों को ब्लैकमेल करने के लिए रिश्वत देने के आरोप लगाए हैं।

सवाल ये भी है कि जिस तरह वह अपने वीडियो में मुख्यमंत्री खट्टर के ओएसडी अभिमन्यु को लपेट रहा है, क्या उसने ओएसडी के बारे में कोई शिकायत पहले कहीं दी थी। स्पष्ट है कि उसने कभी भी ओएसडी का नाम नहीं लिया, लेकिन अब अपनी गर्दन फंसने पर वो ओएसडी अभिमन्यु का नाम लेकर इस चक्रव्यूह से निकलना चाहता है। सीएम के ओएसडी के लिए कोई भी काम कराना बहुत आसान होता है, वह भला क्यों किसी छुटभैये नेता या कार्यकर्ता को फोन करेंगे। जाहिर है कि ओएसडी के खिलाफ लगाए गए नवीन चेची के आरोप फर्जी हैं।

नवीन चेची का आना-जाना भाजपा विधायक नरेन्द्र गुप्ता ने अपने दफ्तर में बंद करा दिया है। इसी तरह केन्द्रीय मंत्री के बेटे देवेन्द्र चौधरी ने भी इसका काम न करने के आदेश विभिन्न विभागों को दिए हैं। वीडियो में इन दोनों का नाम लेकर चेची इनकी सिर्फ तारीफ कर रहा है। लेकिन दोनों नेताओं ने अपनी तरफ से नवीन चेची के बचाव में कोई बयान नहीं दिया है। हैरानी वाली बात है कि यह शख्स एक तरफ तो सीएम के ओएसडी और पार्टी को बदनाम कर रहा है तो दूसरी तरफ विधायक और केन्द्रीय मंत्री के बेटे की तारीफ कर रहा है।

नए पदाधिकारियों को पटाने की कोशिश

ओजोन पार्क सोसायटी में पिछले रविवार को हुए आरडब्ल्यूए चुनाव में नवीन चेची, अनिल चौधरी और डॉ. खटाना द्वारा खड़ा किया गया ग्रुप चुनाव बुरी तरह हार गया। नए पदाधिकारी चेतन रावत, अश्विनी कुमार उपप्रधान, संजय सांगवान सचिव, राघवेंद्र सिंह सह सचिव और गौरव बंदिल कोषाध्यक्ष चुने गए। चुनाव का नतीजा आने के बाद नवीन चेची ने उसी दिन ओजोन सिक्युरिटी ग्रुप बनाया और उसमें चेतन रावत को शामिल कर लिया। लेकिन चेतन रावत उस ग्रुप से उसी समय निकल गए। इसके बाद नवीन चेची ने चेतन रावत को फोन कर मिलने की इच्छा जाहिर की, लेकिन चेतन ने उसमें कोई रुचि नहीं दिखाई। इसके बाद नवीन चेची ने ओजोन पार्क सोसायटी में रहने वाले एडवोकेट और रिटायर्ड विंग कमांडर सतिन्दर दुग्गल से अपने बिजनेस पार्टनर प्रदीप नागर के जरिए मिलने की कोशिश की, लेकिन दुग्गल ने भी इसमें कोई रुचि नहीं दिखाई।

इस बीच, सूत्रों का कहना है कि भाजपा के तमाम सीनियर नेताओं ने कहा है कि नवीन चेची के पोस्टर उनके घर के बाहर से हटाए जाएं। जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा ने अपनी पार्टी के नेताओं से कहा है कि वे नवीन चेची को नहीं जानते। पार्टी को बदनाम करने के लिए नवीन चेची उल्टे सीधे आरोप लगा रहा है। केन्द्रीय मंत्री के घर और दफ्तर पर भी नवीन चेची की एन्ट्री बैन करने की सूचना मिली है।

बिना पैसा खाये मुबारक बुजुर्गों की पेंशन नहीं बनाता

रिश्वत लेकर 45 साल वाले की पेंशन बना दी, शिकायत हुई तो सबूत मिटाए

चन्द्र प्रकाश

फरीदाबाद : हरियाणा में बुढ़ापा पेंशन को लेकर घूसखोरी का धंधा खूब फल-फूल रहा है। बुजुर्गों को मिलने वाली यह राशि अगले महीने यानी मई से 2500 रुपए हो जाएगी। हाल ही में जारी किए बजट में खट्टर सरकार ने इसकी घोषणा की है।

बुढ़ापे में यह राशि बुजुर्गों के लिए बहुत मायने रखती है। बुजुर्ग भी यही सोच कर भ्रष्ट कर्मचारियों को चढ़ावा चढ़ाकर अपना काम निकलवाने के लिए मजबूर हैं। प्रदेश भर में मुबारक जैसे कर्मचारी इस विभाग की फजीहत का कारण बन रहे हैं। फरीदाबाद सेक्टर-15 स्थित समाज कल्याण के पेंशन विभाग में कार्यरत कम्प्यूटर ऑपरेटर मुबारक के लिए किसी भी अधूरे कागजात वाले बुजुर्ग की पेंशन बनाना बाएं हाथ का खेल है। फरीदाबाद में करीब 8 माह पहले मुबारक का पलवल से ट्रांसफर किया गया था।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मुबारक ने पलवल में भी बड़े-बड़े कारनामे किए और खूब लूट मचाई। उसके ऊपर कम उम्र के व्यक्तियों की पेंशन बनाने के आरोप लगे। लेकिन अफसरों की जी-हुजूरी करने की वजह से वह बचता रहा। हथीन से पलवल तबादले की वजह भी मुबारक की गलत नीतियां और घूसखोरी की आदत जिम्मेवार रही। पलवल से भी शिकायत की वजह से उसे फरीदाबाद भेजा गया। यहां आकर मुबारक के हौसलों को पर लग गए।

22 फरवरी को मुबारक ने 45 साल के एक व्यक्ति को दस्तावेजों में बुजुर्ग बनाकर उसकी पेंशन बना दी मात्र 12000 रुपए लेकर, लेकिन 45 साल का 'बुजुर्ग' अपनी खुशी पचा नहीं पाया और उसने पेंशन के लिए भटकते 60 साला बुजुर्ग को हकीकत बता दी। उस बुजुर्ग ने मुबारक की शिकायत कर दी, लेकिन जब मुबारक को लगा कि अब खेल बिगड़ने वाला है, तो उसने रातोंरात अपने कम्प्यूटर से उस फर्जी पेंशनधारी व्यक्ति की आईडी डिलीट मार दी। सुबह होने से पहले सारे सबूत मिटा दिए। इस घटना के बाद भी मुबारक के अंदाज और व्यवहार में रत्ती भर भी परिवर्तन नहीं आया है। बुजुर्गों को सहायता राशि देने की यह हरियाणा सरकार की सराहनीय पहल है, लेकिन सरकार के नए नियमों और भ्रष्ट कर्मचारियों की नीयत की वजह से सरकार की यह बुजुर्ग हितैषी योजना दागदार होती जा रही है।

श्रीराम धर्मार्थ अस्पताल को खुलवाने पर बेनतीजा रही पंजाबी बिरादरी की बैठक

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबादः एनआईटी में तिकोना पार्क स्थित श्रीराम जी धर्मार्थ अस्पताल को फिर से खुलवाने के लिए बुधवार को बुलाई गई पंजाबी बिरादरी की बैठक नाकाम हो गई। बिरादरी की बैठक अब फिर से बुलाने की कोशिश शुरू हो गई है। इस बीच अस्पताल की सील खुलवाने के लिए श्रीराम चेरिटेबल सोसायटी का सरकारी प्रशासक और कुछ डॉक्टर भी सक्रिय हो गए हैं। बता दें कि नगर निगम फरीदाबाद की जमीन पर कब्जा कर बनाये गए इस धर्मार्थ अस्पताल को एमसीएफ सील कर चुका है। अस्पताल लगभग एक साल से बंद पड़ा है और लाखों की मशीनों पर धूल जम गई है। तमाम दवाइयां एक्सपायर हो चुकी हैं।

अश्विनी त्रिखा की एंट्री

भाटिया सेवक समाज के सरदार मोहन सिंह भाटिया ने बुधवार को पंजाबी बिरादरी के शहर के प्रतिष्ठित लोगों की बैठक बुलाई। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता बिरादरी के स्थानीय धर्मगुरु पीर जगन्नाथ ने की। इस बैठक में भाजपा विधायक सीमा त्रिखा के पति और एडवोकेट अश्विनी त्रिखा को भी बुलाया गया। बैठक में श्रीराम चेरिटेबल सोसायटी के दोनों गुट यानी निलंबित प्रधान कंवल खत्री, उपप्रधान विशाल भाटिया, आनंदकांत भाटिया भी पहुंचे। इससे पहले की बैठक शुरू होती, बैठक में अवांछनीय लोगों को बुलाने पर विवाद हो गया। आनंदकांत भाटिया ने कहा कि वे ऐसे शख्स के साथ इस बैठक में नहीं बैठ सकते, जिस शख्स ने उनकी मां को गाली दी हो। इसके बाद वह बैठक से उठकर चले गए। हालांकि सरदार मोहन सिंह भाटिया ने ऐसे बिन बुलाये लोगों को उठकर जाने को कहा, लेकिन लोग नहीं माने। इस बैठक में बिरादरी के कुछ लोगों ने विशाल भाटिया से समझौते के लिए कहा। लेकिन विशाल भाटिया ने अस्पताल

धर्मगुरु की सलाह पर अब दूसरी बैठक की तैयारी, गिने-चुने ही बुलाए जाएंगे

को कैशलेस सिस्टम से चलाने और सरकारी नियमों का पालन करने की बात पर जोर दिया। विशाल ने कहा कि या तो यह अस्पताल एक मनोनीत कमेटी कुछ दिन चलाए और कमेटी बनाने के लिए पीर जगन्नाथ को अधिकृत किया जाए। इसमें समाजसेवी, सरकारी सदस्य और डॉक्टर शामिल हों। बाद में जब सोसायटी के विवाद का फैसला हो जाएगा, तब अस्पताल सोसायटी चलाएगी। लेकिन इन सुझावों पर सहमति नहीं बनी। अश्विनी त्रिखा ने कहा कि जल्द से जल्द इस मामले को निपटाकर अस्पताल खोला जाए, ताकि गरीबों का इलाज हो सके। दरअसल, अश्विनी त्रिखा और सीमा त्रिखा पंजाबी बिरादरी के इस विवाद को जल्द से जल्द सुलझाने पर इसलिए जोर दे रहे हैं, ताकि बिरादरी के लोग गुटों में न बंट सकें और उनसे जुड़े रहें। अगर मामला लंबा खिंचा तो बिरादरी के लोग भटक कर और रास्ते भी तलाश कर सकते हैं। विधायक और विधायक पति इस बात से डरे हुए हैं कि उन पर किसी एक गुट का पक्ष लेने का आरोप न लग जाए।

बहरहाल, बैठक में दोनों पक्ष अपनी बातों पर अड़े रहे और इस दौरान पंजाबी बिरादरी अस्पताल को खोले जाने और सोसायटी का मामला सुलझाने पर कोई फैसला नहीं ले सकी।

सूत्रों के मुताबिक पीर जगन्नाथ की सलाह पर सरदार मोहन सिंह भाटिया अब दोबारा से पंजाबी बिरादरी की बैठक बुलाने के लिए सक्रिय हो गए हैं। इस संबंध में पीर जगन्नाथ ने गुरुवार को आनंदकांत भाटिया को बुलाकर बात भी की। समझा जाता है कि अगली बैठक में उन्हीं लोगों को बैठक में शामिल होने दिया जाएगा, जिन्हें सरदार मोहन सिंह भाटिया और पीर जगन्नाथ अनुमति देंगे।

प्रशासक और डॉक्टर भी सक्रिय

श्रीराम जी धर्मार्थ अस्पताल को फिर से शुरू कराने के लिए रजिस्ट्रार सोसायटीज फरीदाबाद द्वारा नियुक्त प्रशासक और कुछ डॉक्टर भी सक्रिय हो गए हैं। हालांकि प्रशासक का काम सोसायटी के विवाद को देखना और सुलझाना है, लेकिन अस्पताल के संचालन में प्रशासक की रुचि बढ़ती ही जा रही है। प्रशासक और कुछ डॉक्टरों ने एमसीएफ कमिश्नर यशपाल यादव के पास अर्जी लगाई है कि अस्पताल की सील खोली जाए, ताकि यहां गरीबों का इलाज फिर से शुरू किया जा सके। कमिश्नर ने अभी इस पर कोई फैसला नहीं लिया है। बता दें कि हाई कोर्ट में अवैध निर्माणों पर एक याचिका के बाद अदालत ने एमसीएफ को कार्रवाई का निर्देश दिया था। उसी निर्देश के तहत इस अस्पताल को सील किया गया है। अब एमसीएफ जब एक बार अस्पताल को सील कर चुका है तो दोबारा वह इसे किस तरह खोलेगा, इस पर स्थिति स्पष्ट नहीं है। हालांकि गरीबों के इलाज के नाम पर कमिश्नर बतौर डीएम इसकी सील खुलवाने का आदेश दे सकते हैं।

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. **प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड।**
2. **रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन**
3. **एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे।**
4. **जितेन्द्र, बाटा सेंटर - 9971064207**
5. **राम खिलावन-बल्लभगढ़ बस स्टैंड के सामने 9891164794**
6. **मोती पाहुजा - मिनार गेट पलवल, 9255029919**
7. **सुरेन्द्र बघेल - बस अड्डा होडल - 9991742421**